

शास्त्रीतृतीयसत्रार्द्धः
पत्र संख्या -GE3
पाठ्यक्रम विवरणम् -
रघुवंशस्य पञ्चमषष्ठसर्गौ।

भाग - 1	क्रेडिट - 1	यूनिट - 1	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

तमध्वरे विश्वजितीत्यारभ्य संप्रस्थितो वाचमुवाच कौत्सः इति पर्यन्तम्।(01 to 32)

भाग - 2	क्रेडिट - 1	यूनिट - 2	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

किमत्र चित्रमिति पद्यादारभ्य पञ्चमसर्गसमाप्तिं यावत्।

भाग - 3	क्रेडिट - 1	यूनिट - 3	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

स तत्र मञ्चेषु इत्यादिपद्यादारभ्य तस्मिन्नभिद्योतितेत्यादिपद्यं यावत् (01to 36)

भाग - 4	क्रेडिट - 1	यूनिट - 4	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

षष्ठसर्गस्यावशिष्टो भागः।